



लंड के मजे के लिये बस का सफर-1

“मेरे ऑफिस की लड़की ने मेरा लंड लेने के लिए क्या जुगाड़ किया. हमने ऑफिस टूअर पर साथ साथ जाना था तो उसने ट्रेन छोड़ स्लीपर बस में जाना तय किया. हम दोनों एक केबिन में थे. ...”

Story By: शरद सक्सेना (saxena1973)

Posted: Sunday, December 23rd, 2018

Categories: [ऑफिस सेक्स](#)

Online version: [लंड के मजे के लिये बस का सफर-1](#)

लंड के मजे के लिये बस का सफर-1

दोस्तो, आप सभी को मेरा हृदय से आभार है कि आप लोगों को मेरी लिखी कहानियाँ मजेदार, रोचक लगती हैं और आप लोग मजा करते हो। मेरे कई मेल दोस्त कहते हैं कि मेरी कहानी से एक नया अहसास सा होता है। एक बार फिर से आप सभी का हृदय से आभार प्रकट करते हुए एक नयी कहानी आपके समक्ष प्रस्तुत करता हूँ।

यह कहानी दो महीने पहले की है जब मुझे और मेरी एक सहयोगी को एक नये प्रोजेक्ट के लांच और उससे सम्बन्धित कुछ टेक्निकल बातों पर डिस्कस करने के लिये दिल्ली कारपोरेट में दो दिन के लिये बुलाया गया था। इसकी सूचना भी अकस्मात दी गयी थी, इस कारण किसी भी ट्रेन में तत्काल रिजर्वेशन के अतिरिक्त कोई भी रिजर्वेशन नहीं था।

अब इस कहानी को आगे बढ़ाने से पहले इसके पीछे की घटना का जिक्र भी करना जरूरी है कि कैसे तत्काल रिजर्वेशन मिलने के बाद भी हम दोनों ने ट्रेन छोड़कर स्लीपर बस से यात्रा की।

बात करीब 9-10 महीने पहले सेल्स एक्जिक्यूटिव के पोस्ट पर पल्लवी नाम की एक लड़की की ज्वाइनिंग हुयी जो बरेली की रहने वाली थी। उसकी ज्वाइनिंग के शुरू के दिनों में सब कुछ सामान्य सा चलता रहा. पल्लवी ने काफी दिन के बाद अपने घर वापिस जाना था, शाम की ट्रेन थी, वो ऑफिस की ड्यूटी करके जाने वाली थी. पर इत्तेफाक से उस दिन ऑफिस में वर्क लोड कुछ ज्यादा हो गया था जिसकी वजह से उसे ध्यान ही नहीं रहा कि कब उसके जाने का टाइम हो चुका है.

अब वो परेशान हो गयी क्योंकि करीब 10-15 मिनट के बाद उसकी ट्रेन मिस हो जाती। उसकी परेशानी को देखते हुए मैंने आगे बढ़ते हुए उसे स्टेशन तक ड्रॉप कर दिया। बस इस

घटना के बाद वो मुझसे हँस कर हाय-हैलो करने लगी और इसी बात का मजाक बनाकर मेरे कलीग उसका नाम लेकर मुझे टॉन्ट मारने लगे। जबकि हकीकत यह थी कि मैंने उस एक मात्र घटना के बाद पल्लवी से दूरी भी बना ली थी।

लेकिन ऑफिस के दोस्तों ने एक बार मजा क्या लेना शुरू किया तो रूका नहीं। लेकिन मैं पल्लवी को भी उसका जिम्मेदार मानने लगा था और पल्लवी भी उस समय मुझसे बातें करने की कोशिश करती थी जब खासतौर पर वो सभी लोग मौजूद हों। हो सकता हो कि वो मुझे कुछ जरूरत से ज्यादा पसंद करती हो लेकिन उसे मेरे शादी शुदा जिंदगी के बारे में मालूम भी था, फिर वो ऐसा क्यों करेगी यही सोचकर मैंने बातों को महत्त्व नहीं दिया।

निःसंदेह पल्लवी एक गोरी त्वचा वाली 28-29 साल की कुंवारी लड़की थी। मतलब उसका कोई ब्याँय फ्रेंड नहीं था। वो साधारण पहनावे के साथ ही ऑफिस आया करती थी। इस दरम्यान मैंने उसे मेरे अलावा किसी और से बात करते हुए नहीं देखता था सिवाय ऑफिस के मैटर के संदर्भ में।

धीरे-धीरे वो मुझसे खुलने लगी और मेरी टांग खिचाई बढ़ती जा रही थी। इस तरह समय बीतता जा रहा था और तभी एक दिन ऑफिस से इस मीटिंग की कॉल आ गयी। टिकट बुकिंग की जिम्मेदारी पल्लवी ने ले ली और ऑन लाईन तत्काल टिकट कराकर ऑफिस को सूचना दे दी। अकाउंटेन्ट महोदय ने एक निश्चित राशि पकड़ा दी और कहा कि खर्चे का ब्यौरा रसीद के साथ जरूर दें।

तय समय पर मैं अपने घर से निकल ही रहा था कि पल्लवी का फोन आया, फोन पर उसने मुझे बताया कि मैं उससे सिविल लाईस पर मिलूँ।

मैंने ओके कहा और घर से निकल पड़ा और सिविल लाईस पर पल्लवी से मिला।

क्या लग रही थी वो ... उसने काले रंग वाली स्कन टाइट लेगिंग और नारंगी कढ़ाई वाली टाइट कुर्ती पहनी हुई थी, आँखों में हल्का काजल और हल्के रंग वाली लिपिस्टिक लगाये हुए थी। मैं तो बस उसे देखता रह गया, रोज से आज वो अलग सी नजर आ रही

थी।

तभी उसने मुझे झकझोरते हुए कहा- शरद जी, कहाँ खो गये आप ?

हँसते हुए मैं बोला-आपकी खूबसूरती में !

वो भी हँसते हुए बोली- अगर आप मुझे इसी तरह देखते रहेंगे तो हमारी बस छूट जायेगी।

मैं चौंका- बस ?

मैंने पूछा तो वो बोली- हाँ बस !

मैं समझ नहीं पा रहा था कि वो क्या कह रही है, मैंने फिर पूछने की मुद्रा बनायी तो वो बोली- अरे जनाब ऐसे मत देखिए, चलिए अन्दर मैं सब आपको बता दूंगी. इतना कहते हुए वो आगे चलने लगी और मैं अपनी आंखें फाड़े उसके पीछे।

बस के अन्दर वो सबसे पीछे वाली सीट के ऊपर अपने सामान रखते हुए बोली- यह हमारी दोनों की स्लीपर सीट है।

अब मेरा पारा आपे से बाहर हो रहा था, मैंने थोड़ा गुस्सा दिखाते हुए कहा- आपने ट्रेन ए.सी. का टिकट दिखाया था और अब बस के स्लीपर पर ले आई और वो भी सबसे लास्ट वाली सीट।

“इसमें यही एक बची थी तो यही लेनी पड़ी।”

“लेकिन उस टिकट में क्या कमी थी ?”

तब तक बस चल पड़ी।

पल्लवी बोली- टिकट नहीं हुयी थी।

यह दूसरा झटका था मेरे लिये- लेकिन आपने तो वहां दिखाया था ?

“हाँ ... लेकिन एडिटेड था।”

इससे पहले मैं कुछ और पूछता, वो बोली- आप कितना सवाल पूछते हैं! अब चुप हो जाईये, नहीं तो पूरा रास्ता आपके प्रश्न पूछने से कट जायेगा।
उसकी बात सुनकर मैं भी चुप हो गया।

मैंने टाईट जींस और टी-शर्ट पहनी हुयी थी, इसलिये मुझे बैठने में प्रॉब्लम हो रही थी। मैं स्थिर होकर नहीं बैठ पा रहा था।

मेरी यह दशा देखकर पल्लवी बोली- क्या हुआ शरद जी ?

“मैं कम्फर्टेबल नहीं महसूस कर पा रहा हूँ।”

“मुझसे ?”

“नहीं नहीं ... आपसे नहीं, मेरे इस पहनावे के कारण, मैं रात में ढीले कपड़े पहनना पसंद करता हूँ। ट्रेन में होता तो कपड़े चेंज कर लेता, यहाँ पर कुछ नहीं कर सकता आपके सामने !”

“चलिए मैं नीचे उतर जाती हूँ और आप चेंज कर लीजिये.” कहकर वो सीट से नीचे उतर गयी।

मैंने परदे सरकाये और कपड़े चेंज करके मैंने कैपरी और सेन्डो बनियान में ही अपने आपको रखा और फिर मैंने पल्लवी को इशारे से सीट पर आने के लिये कहा।

सीट पर पहुँचने पर उसने मुझे देखा और बोली- आपके पास कोई टी-शर्ट नहीं थी क्या ?

“ओह सॉरी !” यह कहकर मैं अपने बैग खोलने लगा तो बोली- अब रहने भी दीजिए। आप मर्दों का भी क्या ... जहाँ देखो, वहाँ पर अर्द्ध नग्न या फिर नग्न हो जाते हो।

इतना कहकर वो मेरे सामने पर अपनी पीठ टिका कर और पैर फैलाकर बैठ गयी और कोई किताब पढ़ने लगी।

उसके हाव-भाव से मुझे ऐसा लग रहा था कि वो निश्चित रूप से कोई ऐसी किताब पढ़ रही थी, जिससे कारण एक उत्तेजना उसके ऊपर हावी हो रही थी, क्योंकि कभी वो अपने

जिस्म को ऐंठती तो कभी उसकी ऐंठन को लम्बी अंगाड़ाई के साथ निकालती ।

बस को चले कोई आधा घंटा बीत चुका था और मुझे नींद आ रही थी, मैं पसर कर लेट गया और मुझे कब नींद आ गयी पता ही नहीं चला । पता नहीं बस चले कितनी देर बीत चुकी थी कि मुझे लगा कि कोई मुझे झकझोर रहा है । कुम्हलाते हुए मैं उठा तो पाया कि पल्लवी मुझे झकझोर रही है ।

मैंने पूछा- क्या बात है ?

“आपका हाथ कहाँ पर था ?”

“मैं समझा नहीं ?”

“समझे नहीं या जानबूझ कर कर रहे थे ?”

“अरे बाबा ... क्या कर रहा था ?” थोड़ा सा मैं झुंझुला उठा और बोला- साफ-साफ बताओ कि मैंने ऐसा क्या कर दिया है ?

पल्लवी ने अपनी चूत की तरफ इशारा करते हुए कहा- आपका हाथ मेरे यहाँ पर था और आप इसको इतनी बुरी तरह मसल रहे थे कि मेरी नींद टूट गयी ।

तब मुझे अहसास हुआ कि मेरे हाथ ने क्या कमाल कर दिया ।

“सॉरी, मैं सपने में अपनी बीवी के साथ मजे ले रहा था और उसका ही कस कर मसल रहा था, शायद सोते में मेरे हाथ ने आपके इसको (अब मैं उसकी चूत की तरफ इशारा करते हुए कहा) मेरी बीवी का माल समझ कर मजे ले रहा था ।”

“आपको तो मजा आ रहा है और मेरा दर्द के मारे बुरा हाल है ।”

इस बार मैं जानबूझ कर अपने हाथ को उसकी चूत को सहलाते हुए बोला- आपके इस दर्द को खत्म करने का इलाज मेरे पास है, अगर आप चाहो तो ?

इतना कहते हुए मैं पल्लवी के और समीप गया और उसके होंठों पर अपने होंठ रख दिये । इससे पहले मैं उसके कोमल होंठों को चूम पाता वो मुझे हल्का सा झटका देते हुए बोली-

मान्यवर, आप अब अपनी सीमा लांघ रहे हैं।

“ओह ... एक बार फिर सॉरी। लेकिन आपके इस होंठों ने मेरे होंठों के रस को चखा है और मैं अपने रस को वापस ले रहा हूँ!” अपनी उंगली को उसके होंठों पर चलाते हुए बोला और साथ में अपने अंगूठे को हल्का सा उसके नीचे के होंठ पर प्रेस किया। इससे उसके दोनों होंठों के बीच हल्का सा गैप हो गया और मेरा अंगूठा उसके दांतों के अन्दर था और जो उसकी जीभ का गीलापन था, वो गीलापन मेरे अंगूठे पर आ गया।

एक बार फिर पल्लवी ने मुझे अपने से अलग किया और बोली- शरद, मत करो, मुझे कुछ अजीब सा महसूस हो रहा है।

मैं पल्लवी के दिखाते हुए अपने उस अंगूठे को चूसता हुआ बोला- पल्लवी, मैं भी यही कह रहा हूँ कि मैं तुम्हारी उस अजीब सी बेचैनी को दूर कर सकता हूँ।

इतना कहकर मैं एक बार फिर उसके होंठों को चूसने लगा और अपनी जीभ उसके मुंह के अन्दर डाल दी और उसके मम्मे को दबाने लगा।

इस बार पल्लवी ने कुछ ज्यादा विरोध तो नहीं किया पर मेरे कान में बोली- आपकी इस हरकत से मेरी पैन्टी गीली हो गयी है।

“क्या ?”

बस इतना कहना ही था कि बस एक जगह रूक गयी और कन्डक्टर की एक जोरदार आवाज आयी- जिनको चाय-नाश्ता करना है वो चाय-नाश्ता कर लें। बस यहाँ पर 15-20 मिनट रूकेगी।

जल्दी से पल्लवी ने अपने कपड़े सही किये और मैंने टी-शर्ट निकाली और पहन कर उतरते हुए बोला- आओ थोड़ा सा बाहर की हवा में कुछ पी लेते हैं।

वो बस से उतरकर बोली- क्या पीओगे, शरद ?

“आप जो पिला दो, मैं तो सब पीने को तैयार हूँ।”

मेरे इतना कहने पर पल्लवी ने मुझे वहीं रुकने को कहा और खुद काउन्टर पर गयी और पेप्सी की दो बोतल ले आयी.

मैंने कहा- अरे मैं खरीद लाता, आपने क्यों तकलीफ की ?

“आपकी वजह से !”

“मेरी वजह से ?”

“हाँ ... आपका खड़ा है।”

मैंने नीचे देखा तो मेरा लंड महाराज तनतनाये हुए थे।

मैंने एक बार फिर से उसके चूतड़ों पर हाथ फेरते हुए सॉरी बोला.

मेरी इस हरकत से पल्लवी का रिएक्शन मुझे मिला, उसने मेरे कूल्हे को कस कर दबाया और बोली- बार-बार मेरा पिछवाड़ा क्यों दबा रहे हो ?

मैंने उसके कान में कहा- तुम्हारी गांड बहुत मुलायम है, इसलिये मन कर गया !

एक बार फिर मुझे जवाब मिला, उसने एक कस कर चिकोटी काटी और इशारे से मुझे मेरा कान उसके मुंह के पास लाने के लिये बोली- और मुझे तुम्हारी गांड में चुटकी काटने में बड़ा मजा आता है.

इतना कहकर वो हँस पड़ी.

इसी बीच पेप्सी पीते-पीते मेरे लंड की सामान्य अवस्था आ गयी थी। उतनी देर में बस के हार्न की आवाज आयी, जिसका मतलब था कि अब बस चल देगी और बाकी का सफर हम दोनों का अच्छे से बीतेगा।

हम दोनों बस में वापस आकर बैठ गये.

कहानी जारी रहेगी.

saxena1973@yahoo.com

1973saxena@gmail.com

Other stories you may be interested in

भैया की शादी की रात में लड़की चोदी

दोस्तो, कैसे हो आप सब लोग, मैं विपुल कुमार उत्तरप्रदेश के एक नगर में रहता हूँ गोपनीयता बनाए रखने के लिए मैं नगर का नाम नहीं लिख रहा हूँ। दोस्तो समय नहीं मिल पाने के कारण कहानी नहीं लिख पा [...]

[Full Story >>>](#)

वासना का मस्त खेल-5

अब तक की इस मस्त सेक्स कहानी में आपने पढ़ा कि प्रिया की चुदाई जारी थी और उसकी कुंवारी चूत की सील टूट चुकी थी. उसकी चूत ने लंड को सहन कर लिया था और अब रस निकलने के कारण [...]

[Full Story >>>](#)

फूफा जी का बड़ा लंड दोबारा चूत में लिया

यह कहानी दोबारा प्रकाशित की जा रही है क्योंकि पहली बार प्रकाशित कहानी गलती से डिलीट हो गयी थी. आपकी प्यारी कोमल भाबी का सारे प्यारे प्यारे लंड और चूत को प्यार भरा चुंबन.. दोस्तो आपने पिछली पोर्न कहानी फूफा [...]

[Full Story >>>](#)

गर्लफ्रेंड से मिला तोहफा-3

इस कहानी का पिछला भाग यहाँ है- गर्लफ्रेंड से मिला तोहफा-2 मैं मधु की चुत पर जीभ घुमा रहा था उसकी उत्तेजना बढ़ती जा रही थी। तभी उसका बदन अकड़ा और उसकी चुत ने मेरे मुँह पर अमृत वर्षा कर [...]

[Full Story >>>](#)

मेरे जीजे ने मुझे रंडी बनाया

प्रणाम दोस्तो, कैसे हो सब आप सब !मेरी पिछली कहानी दीदी जीजू का दिलवा दो में आपने पढ़ा कि मेरी दीदी की शादी के बाद जब उसने मुझे अपनी सुहागरात की कहानी सुनायी और जीजू के शानदार, जानदार लंड की [...]

[Full Story >>>](#)

